नाबालिग के साथ बलात्कार करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का कारावास

पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 7000/- रुपए, धारा 323 भादंसं. में 06 माह का कठोर कारावास एवं 100 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। सहा.जि.लोक अभि.अधि. ऋषिकांत द्विवेदी ने बताया कि, दिनांक 20 जून 2023 को दोपहर करीब 2.00 बजे फरियादी उठा तो उसने देखा कि पीड़िता घर पर नहीं थी। उसने अपने घर में देखा। इसके बाद फरियादी ने अपने मां-बाप को सूचित किया और पीड़िता को तलाशने चला गया। पीड़िता की तलाश करने पर भी जब पीड़िता नहीं मिली तो फरियादी को शंका हुई कि पीड़िता जो कि उसकी बहन हैं, को कोई बहला-फुसलाकर ले गया है।

इसके बाद फरियादी ने माता-पिता के साथ थाना कोतवाली पन्ना जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता के दिनांक 15 जुलाई 2023 को दस्तयाब होने पर उससे पूंछताछ मे बताया कि वह दिनांक 20 जुलाई 2023 को दोपहर करीब 1-1.30 बजे लाडली लक्ष्मी योजना से संबंधित दस्तावेज जमा करने आंगनबाड़ी जा रही थी, तभी रास्ते में उसे राजकुमार वंशकार मिला, राजकुमार ने उससे साथ चलने के लिये कहा, उसने पूंछा कि कहां ले जा रहे हो तो राजकुमार बोला कि चलो समोसे खाकर आते हैं। इसके बाद वह उसे बस स्टैण्ड ले गया और थप्पड़ मारकर उसे बस में बैठा दिया।

इसके बाद वह उसे रेल्वे स्टेशन ले गया और बोला कि चलो ट्रेन के डिब्बे घुमाकर लाता हूं, ट्रेन में बैठते ही राजकुमार ने रूमाल सुंघा दिया जिसमें बेहोशी की दवाई मिलाई थी। जब उसे होश आया तो वह दिल्ली के करीब थी। दिल्ली में राजकुमार उसे एक ढावा पर ले गया और उसे सबसे उपरी मंजिल पर छोड़कर खाना लाने चला गया। राजकुमार वापस आया और उसके साथ जबरदस्ती करने लगा, उसके साथ बलात्कार किया, वह बहुत चिल्लाई लेकिन वह नहीं रूका। राजकुमार ने उसके साथ चार-पांच बार बलात्कार किया। दिनांक 15 जुलाई 2023 को दरवाजा खोला तो उसने देखा कि पुलिस और उसका भाई आये है। फिर पुलिस वाले उसे लिखापढ़ी करके कोतवाली पन्ना ले आये। पीड़िता के कथनों के आधार पर धारा 323, 328, 344, 376(3), 376(2) (एन), 506 भा0द0सं0 एवं धारा 5 (एल)/6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

न्यायालय अरविन्द कुमार शर्मा, विशेष न्यायाधीश(पॉक्सो एक्ट) जिला पन्ना के न्यायालय मे प्रकरण का विचारण हुआ। शासन की ओर से पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी मानवेन्द्र सिंह द्वारा की गयी। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्को एवं न्यायिक दृष्टांतो से सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी-राजकुमार वंशकार को धारा 5ल/6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 7000/- रूपए का अर्थदण्ड, धारा 366 भादंसं में 07 वर्ष का कठोर कारावास एवं 3000/- रूपए का अर्थदण्ड एवं धारा 323 भादंसं. में 06 माह का कठोर कारावास एवं 100 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रेक्षक भ्रमण के लिए लाइजनिंग अधिकारी की नियुक्ति

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा पन्ना जिले के नगरीय निकाय और पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी कार्य के पर्यवेक्षण के लिए नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

प्रेक्षक श्री त्रिवेदी द्वारा आगामी 14 से 19 अक्टूबर तक स्थानीय निकायों का भ्रमण किया जाएगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मधुवंतराव धुर्वे ने प्रेक्षक के भ्रमण के दृष्टिगत अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की है। जनपद पंचायत पवई के सहायक यंत्री अमोल सिंह यादव 7987787096 को प्रेक्षक का लाईजनिंग अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि नगर परिषद गुनौर के उपयंत्री देवेन्द्र कुमार सोनी 9755462499 को सहायक लाईजनिंग अधिकारी का दायित्व सौंपा है। बतौर कम्प्यूटर ऑपरेटर राकेश साहू की नियुक्ति की गई है। प्रेक्षक नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी पन्ना प्रवास के दौरान सर्किट हाउस पन्ना में ठहरेंगे। प्रेक्षक का मोबाइल नंबर 9425428520 है।

सारंगपुर में हादसा : खेत जोतते समय ट्रैक्टर पलटने से मौत

नवभारत न्यूज

शाहनगर/पन्ना 9 अक्टूबर। पन्ना जिले के शाहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सारंगपुर में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो जाने का मामला सामने आया है जानकारी के अनुसार शाहनगर जनपद क्षेत्र के सारंगपुर ग्राम मे एक 45 वर्षीय किसान रामावतार गौतम खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे।

इसी दौरान सुबह करीब 10 बजे के लगभग ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेत के किनारे बनी खाई में पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर के नीचे किसान दब जाने से किसान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर हटाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस दु:खद हादसे से पूरे सारंगपुर गांव में शोक की लहर व्याप्त है। वहीं, घटना की जानकारी शाहनगर पुलिस को दे दी गई है, जो मामले की जांच विवेचना में जुटी हुई है।

साइबर सुरक्षा जागरुकता के तहत जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। अक्टूबर माह 2025 को राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाने हेतु इंडियन सायबर क्राइम क्वार्डिनेशन सेंटर द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना जिले के समस्त थानो में सायबर अपराधों की रोकथाम एवं नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग करने के उद्देश्य से वृहद स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनांक 09 अक्टूबर को पन्ना जिले के विभिन्न थानों में व्यापक सायबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनमें से थाना पवई क्षेत्रांतर्गत बस स्टैंड पवई में थाना प्रभारी उनकी टीम द्वारा नागरिकों को जागरूक किया गया। थाना मडला क्षेत्रांतर्गत शासकीय हाईस्कूल मडला में थाना प्रभारी मडला उनि ए पी सिंह बघेल एवं सहायक उप निरीक्षक सज्जन प्रजापति द्वारा विद्यार्थियों को सायबर सुरक्षा के मूल मंत्र बताए गए। वहीं थाना सुनवानी में थाना प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ द्वारा सायबर अपराधों से बचाव हेतु प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रमों में पुलिस द्वारा उपस्थित नागरिकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति में सायबर जागरूकता संबंधी जानकारी साझा करते हुये सायबर अपराध से बचने के उपाय साझा किये गये। पुलिस द्वारा उपस्थित जनसमूह को बताया कि आज के डिजिटल युग में सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। लोगों को सायबर अपराध से बचने के लिये क्या करना है क्या नही करना इसकी विस्तृत जानकारी साझा की गई। सायबर अपराध घटित होने की स्थिति में साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 एवं राष्ट्रीय सायबर पोर्टल की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पुलिस द्वारा सायबर सुरक्षा से संबंधित आकर्षक पोस्टर, बैनर, पंपलेट वितरित कर सतर्क नागरिक - सुरक्षित समाज का सशक्त संदेश दिया गया। नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने परिवार, बच्चों और परिचितों को सायबर सुरक्षा के उपाय अवश्य बताएं, ताकि प्रत्येक व्यक्ति 'डिजिटल रूप से सुरक्षित भारत' के निर्माण में सहभागी बन सके।

150 कैरेट के लापता हीरे का नहीं लगा सुराग, तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। विगत माह 150 कैरेट का हीरा पार्टनरों द्वारा हड़प लिये जाने की शिकायत जिला हीरा कार्यालय एवं पुलिस विभाग को सौंपी गई थी लेकिन आज तक उस हीरे का सुराग नहीं लग पाया। इसको लेकर तरह तरह चर्चाएं व्याप्त हैं आखिर इस मामले को ठण्डे बस्ते मे क्यों डाल दिया गया।

ज्ञात हो कि 18 सितंबर को जयबहादुर पट्टा धारक ने अपने सहयोगी साथियों के साथ पहुंच कर एक शिकायती पत्र दिया और उसमें जिक्र किया कि मेरे एक सहयोगी साथी द्वारा 150 कैरेट का हीरा जो की कृष्णा कल्याणपुर की उथली हीरा खदान से निकला हे उसको गायब कर दिया है शिकायत की खबर जैसे ही आम चर्चा मे आई तो सनसनी मच गई, क्योंकि 150 कैरेट का हीरा अभी तक पन्ना मे नहीं निकला है। शिकायत के बाद हीरा विभाग ने सम्बंधित पट्टे धारक के सहयोगी साथी जिसके पास 150 कैरेट का हीरा है उसको दूरभाष के द्वारा 48 घंटों मे कई बार सम्पर्क कर अपने बयान दर्ज करवाने को कहा, लेकिन आज आज तक तक दयाराम हीरा कार्यालय नहीं पहुंचा। ऐसे में इस सवाल शहर के अंदर चर्चा का विषय बना हुआ है कि क्या हीरे को ठिकाने लगाने के लिए दयाराम पटेल बचने का प्रयास कर रहा है और हीरे को सही जौहरी और कीमत देने वाले व्यक्ति की तलाश की जा रही है या फिर यूं कहे की जिले के अंदर फैले ब्लेक मार्केट के खिलाडी इस बडे हीरे को सही कीमत तलाशने मे लगे हुये हैं। जब किसी व्यक्ति को हीरा मिलता है तो उसकी लालच और नियत दोनो एकाएक बदल जाती है और हीरा सरकारी खजाने मे जमा न कर मुंबई, सूरत जैसे शहर के व्यापारियों को हीरा बेंच देते हैं। हीरे की कालाबाजारी के चलते हीरे जमा करने में बडी कमी आई है। सरकार ने 1961 मे हीरा कार्यालय तो स्थापित कर दिया। लेकिन जो पट्टे प्राप्त करने की प्रक्रिया है और नीलामी की प्रक्रिया मे देर एवं कोई कडे कानून न होने के कारण हीरा कालाबाजारी की भेंट चढ़ जाता है। सरकार को भारी राजस्व की क्षति होती है।

खेलों से खिलवाड़ : छत्रसाल स्टेडियम के प्रवेश द्वार में ही गड्ढे

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। शहर के छत्रसाल स्टेडियम में सांसद ट्राफी के तहत क्रिकेट और फुटबॉल सहित करीब आधा दर्जन खेल प्रतियोगिता होनी हैं। आयोजन शुरु होने को चंद दिन ही बाकी हैं। इसके बाद भी स्टेडियम के रखरखाव में भारी लापरवाही बरती जा रही है।

स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर ही बड़े-बड़े गड्ढे हैं। आधा स्टेडियम बड़ी-बड़ी घास से पटा है और बारिश के कारण मैदान की दलदल जैसी स्थिति है। खेल एवं युवक कल्याण विभाग के अधीन इस स्टेडियम के रखरखाव में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। गौरतलब है कि छत्रसाल स्टेडियम नगर का प्रमुख खेल मैदान है। मानसून सीजन में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण स्टेडियम में बड़ी-बड़ी घास उग आई है।

इससे स्टेडियम की जमीन दलदली होने के कारण खिलाड़ियों का नियमित अभ्यास प्रभावित हो रहा है। पूरे मानसून सीजन में जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई। मैदान के रखरखाव की ओर भी ध्यान नहीं दिया गया।

ओपन जिम ऐसा कि हाथ-पैर, कमर ही टूट जाए

खिलाड़ियों और फिजिकल फिटनेस की तैयारी करने वाले युवाओं और आम नागरिकों की सेहत का ध्यान रखते हुए खेल एवं युवक कल्याण विभाग के कार्यालय के सामने ही ओपन जिम स्थापित किया गया है। इसका भी रखरखाव नहीं किया जा रहा है। इससे इनके आधार में लगे नट कुछ निकल गए हैं, तो कुछ इतने अधिक ढीले हैं कि छूते ही पूरा फ्रेम हिलने लगता है। यहां लगे ओपन जिम के अधिकांश उपकरण रखरखाव के अभाव में इस्तेमाल के लायक ही नहीं बचे। इनका उपयोग करने की स्थिति में हादसे का खतरा है।

दो बीएलओ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पन्ना विधानसभा क्षेत्र संजय कुमार नागवंशी द्वारा दो प्राथमिक शिक्षक एवं पदेन बीएलओ को निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही अविलंब जबाव प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

जबाव प्रस्तुत न करने अथवा संतोषजनक जवाब नहीं पाए जाने की स्थिति में नियत प्रावधानों के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

मतदान केन्द्र क्रमांक 242 के बीएलओ गुमान सिंह यादव एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 263 के बीएलओ गोरेलाल अहिरवार को निर्वाचन संबंधी विभिन्न दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही और पदीय दायित्वों के प्रति सजग न रहकर स्वेच्छाचारिता बरतने पर जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 व सिविल सेवा आचरण नियम के प्रावधानों के तहत नोटिस दिया गया है।

प्रशासनिक उदासीनता से नहीं मिल रहा दीनहीनों को योजनाओं का लाभ

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। राज्य शासन ने दीनहीन, गरीब, बृद्ध असहाय लोगों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं बनाई है जिसके तहत आर्थिक सहायता, भोजन, आवास, चिकित्सा, शिक्षा, रोजगार देने के अवसर, चिकित्सा शिक्षा, रोजगार देने के अवसर उपलब्ध करवाए जाने के लिए विभिन्न योजनाएं दी हैं।

परन्तु दुर्भाग्य है कि इस जिले भर में भर्रेशाही मची हुई है। दीन हीन गरीब ऐसे निरीह प्राणी है जिनको सहायता शासन से मिलनी चाहिए वे शासकीय सुविधाओं का लाभ अधिकारियों, कर्मचारियों की उदासीनता एवं लापरवाही लेन-देन के चक्कर के कारण तथा नियमों की अडंगे बाजी के कारण लाभ नहीं ले पाते है। इसके पीछे विभिन्न कार्यालयों में प्रमाण स्वरूप भारी मात्रा में पड़े नगर पालिका,नगर पंचायतों, ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायतों आदि के कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी, बाबुओं की अलमारी में रखे लंबित प्रकरणों रिकार्डो से भली भांति देखा-जाना समझा सकता है कि कितने निरीह विकलांग पीड़ित जन दाने-दाने के लिए मोहताज हैं जिन्हें बर्षो से लिस्ट में नाम रहते हुये भी लाभ नहीं मिलता है। व्यक्ति को भूख लगने में तो उदर पोषण को आवश्यकता तो रहती है। इसकी व्यवस्था कौन कब करेगा यह आज सबसे बड़ा प्रश्न चिन्ह है। यदि कोई पुराने कपड़े बांटने, दाल भात खिलाने अथवा अन्य खाद्य पदार्थ बांटने आते है तो उसमें भी सक्षम लोग छीना झपटी करने से नहीं चूकते जबकि जो विशेष रूप से असहाय और विकलांग है।

अतिथि शिक्षकों ने अपने साथ हो रहे अन्याय के विरुद्ध उठाई आवाज

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 9 अक्टूबर। अतिथि शिक्षको के साथ अजयगढ़ तहसील में घोर अन्याय हो रहा है जैसा की एक तरफ शासन का फरमान है कि ई अटेंडेंस लगने पर ही वेतन दी जाएगी दूसरी ओर सर्वर प्रॉब्लम के कारण ई अटेंडेंस नहीं लग पाती जिससे अतिथि शिक्षकों का वेतन काट लिया जाता है।

अतिथि शिक्षक 10.00 बजे से लेकर 4.30 तक स्कूल में उपस्थित रहते हैं उसके बावजूद 3 महीने गुजरने के बाद भी अभी तक अतिथि शिक्षकों की वेतन नहीं आई नवरात्रि दशहरा सभी त्योहार खाली निकल गए और जब इस संबंध में बी ओ साहब से बात की गई तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि संकुल में बैठे संकुल प्राचार्य एवं बाबुओं की घोर लापरवाही के कारण आप लोगों के वेतन समय पर नहीं आ पाती बाबू लोग समय पर बिल बनाकर हमारे पास नहीं भेजते जिस कारण से हम वेतन ट्रेजरी नहीं पहुंचा पाते हैं वेतन न मिलने का मुख्य कारण संकुल में बैठे प्राचार्य एवं बाबू को दोषी पाया जाता है अगर आगे आने वाले महीने में समय से एक या दो तारीख को बी ओ ऑफिस में बिल नहीं भेजते हैं तो उनकी शिकायत हम कलेक्टर के पास जरूर भेजेंगे इसलिए हम अजयगढ़ तहसील के सभी संकुल प्रभारी एवं संकुल बाबुओं को आगाह करते है की समय पर अतिथि शिक्षकों के बिल जनरेट करके बी ओ ऑफिस भेजें। संजय कुमार रैकवार ब्लॉक अध्यक्ष अतिथि शिक्षक संघ अजयगढ़ ने बताया कि अब अतिथि शिक्षकों को दुकानदार उधर भी नहीं दे रहे हैं क्योंकि 3 माह में सभी का अधिक पैसा चढ़ गया है अब घर का गुजर बसर करना भी अतिथि शिक्षकों को मुश्किल पड़ रहा है ऐसी स्थिति में दीपावली भी हम लोगों की इसी तरह तंगी में गुजरेगी या शासन दीपावली के पहले हम लोगों की वेतन दिलवाएगा।

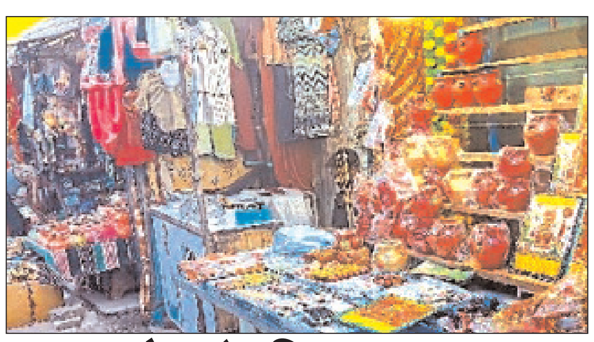

करवाचौथ के लिए सजा बाजार महिलाओं ने की खरीददारी

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। पन्ना नवरात्र और दशहरा उत्सव के समापन के बाद अब पन्ना जिले का बाजार करवाचौथ के रंग में रंगने लगा है। महिलाएं पर्व की तैयारी में जुट गई हैं। बाजारों में पूजा-पाठ से लेकर साज-श्रृंगार तक की दुकानों में चहल-पहल देखी जा रही है। इस बार करवाचौथ को और खास बनाने के लिए दुकानदारों ने पूजा-अर्चना की विशेष करवाचौथ पूजा किट तैयार की है, जो महिलाओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस किट में पूजा के सभी आवश्यक सामान जैसे करवा, छलनी, सीकें, रोली, चावल, अगरबत्ती, दीपक और सजाई हुई थाली शामिल हैं। स्वास्तिक चिन्हों और रंग-बिरंगे डिजाइनों से सजी ये थालियां बाजार की शोभा बढ़ा रही हैं। परंपरागत मिट्टी और शक्कर के करवा के साथ डिजाइनर करवे भी बड़ी संख्या में बाजार में आए हैं, जिनकी कीमत 30 से 100 रुपए तक है। करवा बेचने वाले स्थानीय विक्रेता राजेश ने बताया, पहले सिर्फ साधारण हाथ और चॉक से बने करवे बिकते थे, लेकिन अब डिजाइनर करवा और रेडिमेड पूजा सामग्री की भी मांग बढ़ी है। महिलाएं अब सुविधा के लिए तैयार किट खरीदना पसंद कर रही है। खरीदी करने आई पूनम गर्ग ने बताया कि करवाचौथ के दिन घर की साफ-सफाई और सजावट भी करनी होती है, इसलिए अब बाजार में जो भी सामान एक साथ मिल जाता है, वही खरीद लेती हैं इस बार सब कुछ रेडिमेड मिल रहा है, जिससे समय की बचत हो रही है।

शहर के साथ कस्बों के बाजार भी गुलजार

त्योहार की रौनक पन्ना के साथ कस्बों के बाजार भी गुलजार है। जहां एक ओर महिलाएं करवाचौथ के लिए व्रत, पूजा और श्रृंगार की तैयारी में व्यस्त हैं, वहीं बाजारों में रोशनी और रौनक यह संकेत दे रही है कि पारंपरिक आस्था और आधुनिकता का संगम अब छोटे शहरों में भी तेजी से देखने को मिल रहा है।

विधायक वर्मा ने सांदीपनि विद्यालय गुनौर में छात्र-छात्राओं को वितरित की साइकिल

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गुरूवार को शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय गुनौर में नि:शुल्क साइकिल वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की और बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा का महत्व बताया।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मेधावी एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के लिए लैपटॉप एवं स्कूटी वितरण की योजना भी संचालित की गई है। इसके अलावा नि:शुल्क गणवेश और पाठ्य पुस्तकें भी छात्र-छात्राओं को प्रदान की जा रही हैं। विधायक ने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को साइकिल मिलने से गांव से स्कूल तक आवागमन में दिक्कतें नहीं होंगी और निर्धारित समय पर विद्यार्थी स्कूल पहुंचेगे। अभिभावकों को भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। विधायक डॉ. वर्मा ने उपस्थित बेटियों से भी बेहतर अध्ययन का आह्वान किया।

कार्यक्रम में 182 छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण और बच्चों के अभिभावक भी मौजूद रहे। विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने अमानगंज तहसील पहुंचकर शिकायत पेटी भी खोली और प्राप्त 4 आवेदनों के अविलंब निराकरण के निर्देश संबंधितों को दिए।

इस अवसर पर एसडीएम अनिल तलैया एवं तहसीलदार ममता मिश्रा भी उपस्थित रहीं। विदित हो कि स्थानीय विधायक द्वारा गत वर्ष आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए तहसील परिसर में शिकायत एवं सुझाव पेटी लगवाई गई थी।

पति और पत्नी दोनों का एक दूसरे के विश्वास और आस्था का प्रतीक है करवाचौथ

नवभारत न्यूज

पन्ना 9 अक्टूबर। सुहागिन स्त्रियों के लिए करवा चौथ का व्रत विशेष महत्व रखता है। अधिकांश को नहीं पता कि करवा चौथ पर करवा क्यों पूजा जाता है इसका क्या महत्व है। स्त्री धर्म की मर्यादा करवे की पूजा में किस प्रकार से निहित है करवा चौथ का व्रत चंद्र दर्शन के साथ संपन्न होता है। देवी भगवती को अजन्मा माना गया है माता जानकी का जन्म भी प्रथ्वी की कोख से हुआ था। कथानक कहता है कि राजा जनक को घड़े (करवा) में से सीता जी की प्राप्ति हुई। यही सीता भगवान राम की धर्मपत्नी बनी।

संघर्षो के बाद भी उन्होंने न तो स्त्री धर्म का परित्याग किया और न ही मर्यादा का उल्लंघन किया। शास्त्र कहते है कि स्त्री की मर्यादा करवे की तरह होती है। जिस प्रकार करवे की सीमाएं है, उसी प्रकार स्त्री धर्म की अपनी सीमाएं है। ये सीमाएं प्राकृतिक है। नारी दमन का द्योतक नहीं करवा जहां भी जिस भी स्थिति में हो, उसकी शुचिता भंग नहीं होती। इसी प्रकार स्त्री धर्म की मर्यादा भी कभी भंग नहीं होती, भले ही श्रीराम उनको क्यों न वनवास दे दें। सीता जी मां भवानी है राम के हेतु उनके द्वारा ही सिद्ध हुए। भगवान राम को पति रूप में प्राप्त करने के बाद सीता जी ने माता पार्वती देवी की आराधना करते हुए सर्वप्रथम कार्तिक चतुर्थी व्रत किया था। कालांतर में यह व्रत सुहागिन स्त्रियों से जुड़ गया। इस पर्व का मुख्य भाव पति और पत्नी दोनों का एक दूसरे को विश्वास और आस्था का प्रतीक मानने से है। करवा चौथ पर गणपति देव के साथ माता पार्वती और माता लक्ष्मी दोनों ही की आराधना होती है। दोनों देवी और भगवान गणेश अक्षत सुहाग प्रदाता है। माता पार्वती की आराधना इसलिए कि वह सीता जी की आराध्य है। गणेश जी ज्ञान, विज्ञान विघ्न हरण और शुभ कारक है। माता पार्वती के सबसे लाड़ले पुत्र वहीं है। महालक्ष्मी की इसलिए कि वह सीता जी साक्षात मां लक्ष्मी ही है। करवे में जल रखकर रोली, चावल और गुड़ देवी भगवती को अर्पण करें। गेहूं या चावल के तेरह दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा सुनें। चन्द्रमा को अर्ध्य देकर व्रत का पारण करें।

करवा चौथ की व्रत कथा:- एक साहूकार के एक पुत्री और सात पुत्र थे। करवा चौथ के दिन साहूकार को पत्नी, बेटी और बहुओं ने व्रत रखा। रात्रि को साहुकार के पुत्र भोजन करने लगे तो उन्होने अपनी बहन से भोजन करने को कहा, बहन बोली भाई अभी चन्द्रमा नहीं निकला है, उसके निकलने पर मैं अर्ध्य देकर ही भोजन करूंगी। इस पर भाइयों ने नगर से बाहर जाकर अग्नि जला दी और छलनी ले जाकर उसमें प्रकाश दिखाते हुए बहन से कहा बहन चंद्रमा निकल आया है। अर्ध्य देकर भोजन कर लो। बहन अपनी भाभियों को भी बुला लाई कि तुम भी चन्द्रमा को अर्ध्य दे लो किंतु वे अपने पतियों की करतूतें जानती थी। उन्होंने कहा बाईजी अभी चंद्रमा नहीं निकला है तुम्हारे भाई चालाकी करते हुए अग्नि का प्रकाश चलनी में दिखा रहे है। किंतु बहन ने भाभियों की बात पर ध्यान नहीं दिया और भाईयों द्वारा दिखाए गए प्रकाश को ही अर्ध्य देकर भोजन कर लिया। इस प्रकार व्रत भंग होने के कारण गणेश जी उससे रूष्ट हो गए। इसके बाद उसका पति सख्त बीमार हो गया और जो कुछ घर में था, उसकी बीमारी में लग गया। साहूकार की पुत्री को जब अपने दोष का पता चला तो वह पश्चाताप से भर उठी। गणेश जी से क्षमा प्रार्थना करने के बाद उसने पुन: विधि विधान से चतुर्थी का व्रत करना आरंभ कर दिया। श्रद्धानुसार सबका आदर सत्कार करते हुए उसने सबका आशीर्वाद लेने में ही मन को लगा दिया। इस प्रकार उसके श्रद्धाभक्ति सहित कर्म को देख कर गणेश जो उस पर प्रसन्न हो गए। उन्होंने उसके पति को जीवन दान दे उसे बीमारी से मुक्त करने के बाद धन संपत्ति से युक्त कर दिया। इस प्रकार जो कोई छल कपट से रहित श्रद्धाभक्ति पूर्वक चतुर्थी का व्रत करेगा। वह सब प्रकार से सुखी होते हुए कष्ट-कंटकों से मुक्त हो जाएगा।